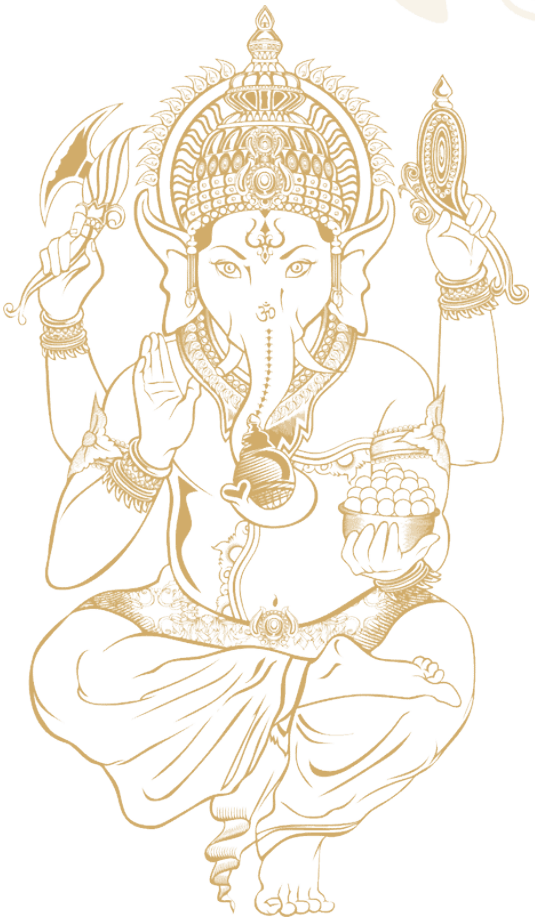

Mr.

04 Dec 2025

07:59 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120416802

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**04/12/2025**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**07:59:00 घंटे**
इष्ट	02:29:53 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:37:52 घंटे
वेलान्तर	00:09:47 घंटे
साम्पातिक काल	12:30:31 घंटे
सूर्योदय	06:59:02 घंटे
सूर्यास्त	17:23:50 घंटे
दिनमान	10:24:47 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	17:57:55 वृश्चिक
लग्न के अंश	00:16:42 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**कृतिका - 3**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	शिव
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	उ-उदय
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	00:16:42	323:44:37	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	---
सूर्य			वृश्चि	17:57:55	01:00:50	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	मित्र राशि
चंद्र			वृष	05:34:45	15:19:45	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मूलत्रिकोण
मंगल		अ	वृश्चि	27:22:49	00:44:39	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	स्वराशि
बुध			तुला	28:00:31	00:39:06	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
गुरु	व		कर्क	00:06:14	00:04:21	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	चंद्र	उच्च राशि
शुक्र			वृश्चि	09:52:48	01:15:27	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	सम राशि
शनि			मीन	00:58:09	00:00:38	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	सम राशि
राहु	व		कुंभ	19:40:06	00:10:50	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	मंगल	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	19:40:06	00:10:50	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	04:42:16	00:02:25	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप	व		मीन	05:09:50	00:00:13	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	07:45:02	00:01:21	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			कन्या	14:05:22	--	हस्त	--	13	बुध	चंद्र	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:13

लग्न-चलित

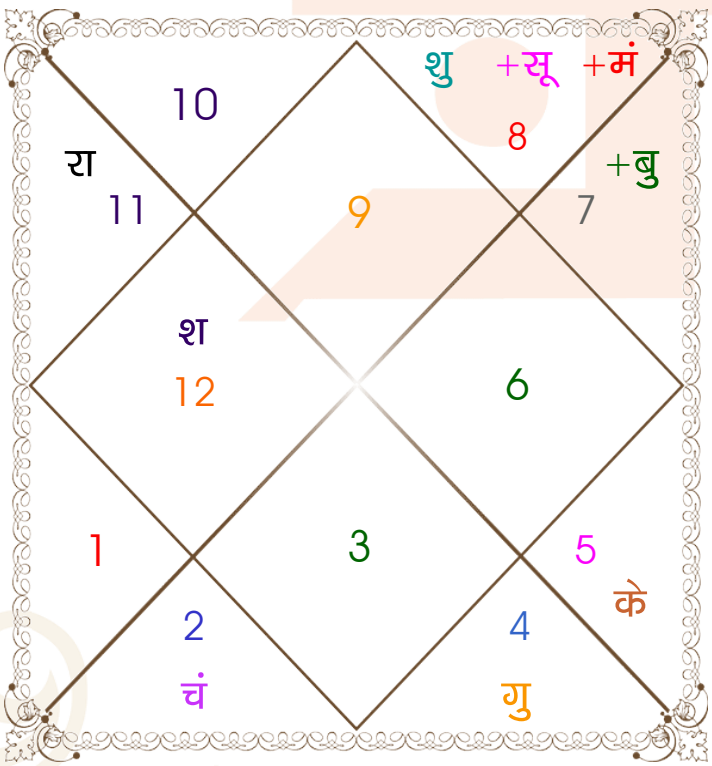

चन्द्र कुंडली

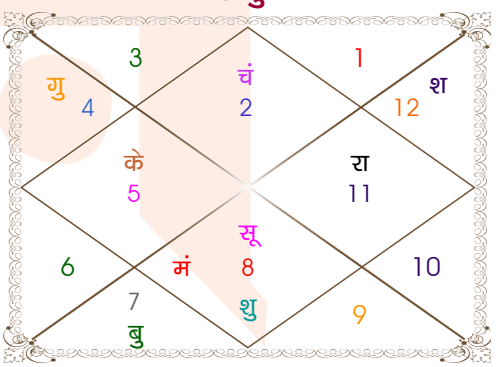

नवमांश कुंडली

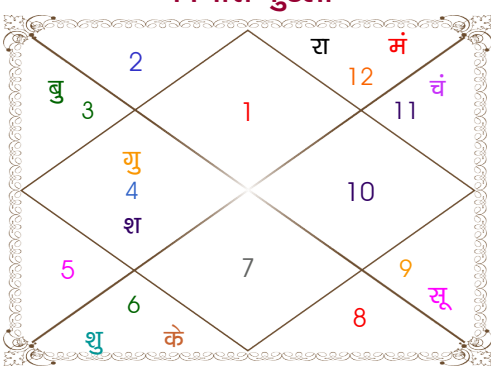

Jyotish Vidya kendr
V.p.o panjawar,una himachal pardesh
8219045295
nrajiv60@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 1 वर्ष 11 मास 26 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
04/12/2025		30/11/2027		30/11/2037		30/11/2044		30/11/2062	
30/11/2027		30/11/2037		30/11/2044		30/11/2062		30/11/2078	
	00/00/0000	चंद्र	30/09/2028	मंगल	28/04/2038	राहु	13/08/2047	गुरु	17/01/2065
	00/00/0000	मंगल	01/05/2029	राहु	17/05/2039	गुरु	05/01/2050	शनि	01/08/2067
	00/00/0000	राहु	31/10/2030	गुरु	22/04/2040	शनि	11/11/2052	बुध	06/11/2069
	00/00/0000	गुरु	01/03/2032	शनि	31/05/2041	बुध	01/06/2055	केतु	12/10/2070
	00/00/0000	शनि	30/09/2033	बुध	29/05/2042	केतु	18/06/2056	शुक्र	12/06/2073
	04/12/2025	बुध	02/03/2035	केतु	25/10/2042	शुक्र	19/06/2059	सूर्य	01/04/2074
बुध	25/07/2026	केतु	01/10/2035	शुक्र	25/12/2043	सूर्य	13/05/2060	चंद्र	01/08/2075
केतु	30/11/2026	शुक्र	31/05/2037	सूर्य	01/05/2044	चंद्र	12/11/2061	मंगल	07/07/2076
शुक्र	30/11/2027	सूर्य	30/11/2037	चंद्र	30/11/2044	मंगल	30/11/2062	राहु	30/11/2078

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
30/11/2078		30/11/2097		01/12/2114		01/12/2121		01/12/2141	
30/11/2097		01/12/2114		01/12/2121		01/12/2141		00/00/0000	
शनि	03/12/2081	बुध	29/04/2100	केतु	29/04/2115	शुक्र	01/04/2125	सूर्य	21/03/2142
बुध	12/08/2084	केतु	26/04/2101	शुक्र	28/06/2116	सूर्य	02/04/2126	चंद्र	19/09/2142
केतु	21/09/2085	शुक्र	25/02/2104	सूर्य	03/11/2116	चंद्र	01/12/2127	मंगल	25/01/2143
शुक्र	21/11/2088	सूर्य	31/12/2104	चंद्र	04/06/2117	मंगल	31/01/2129	राहु	20/12/2143
सूर्य	03/11/2089	चंद्र	02/06/2106	मंगल	01/11/2117	राहु	31/01/2132	गुरु	07/10/2144
चंद्र	04/06/2091	मंगल	30/05/2107	राहु	19/11/2118	गुरु	01/10/2134	शनि	19/09/2145
मंगल	13/07/2092	राहु	16/12/2109	गुरु	26/10/2119	शनि	01/12/2137	बुध	05/12/2145
राहु	20/05/2095	गुरु	23/03/2112	शनि	04/12/2120	बुध	01/10/2140		00/00/0000
गुरु	30/11/2097	शनि	01/12/2114	बुध	01/12/2121	केतु	01/12/2141		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 1 वर्ष 11 मा 25 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म कालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म मूल नक्षत्र के प्रथम चरण में धनु लग्न के उदय काल में हुआ था। आपके जन्म काल धनु लग्न के साथ-साथ मेष का नवमांश एवं धनु राशि का द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। जन्म प्रभाव से यह दृश्य हो रहा कि आप व्यक्तिगत रूप से शक्तिवान धन-वैभव से संपन्न एवं निश्चिन्तता पूर्वक जीवन यापन करने वाले प्राणी हैं। आपकी कुशाग्र बुद्धिमता के पत्ते का खेल तब प्रारंभ होगा। जबकि आपकी आयु 27 वर्ष की होगी और यह समयावधि 31 वर्ष तक अति अनुकूल प्रतीत हो रहा है। क्योकि उसके बाद ही आपको अच्छी प्रकार यह अनुभव होगा कि अब जीवन पथ पर किस प्रकार चलना चाहिए। इसके बाद ही आपको आर्थिक लाभांश प्राप्ति का सुअवसर प्राप्त भी हो सकता है।

आपके लिए यह शिक्षा ग्राह्यनीय है कि आप अपनी बोली पर नियंत्रण रखें। क्योंकि आप निर्भिकता पूर्वक कटु सत्य बोलते रहते हैं। परंतु यह नहीं सोचते हैं कि बातों का सुनने वालों के मन में क्या प्रतिक्रिया होगी। क्योंकि सत्य सदैव पीड़ा कारक होता है। इस कारणवश आपके अधिकांश मित्र आपकी कटु सत्य विचारों को आत्मसात नहीं कर पाते तथा आपके शत्रु बन जाते हैं। जबकि आपके अभिभावक एवं आपमें भातृ बंधु आपकी अति वाचालिक प्रवृति को पसंद नहीं करते। इस परिस्थिति में आप इस प्रकार विस्तृत बिंदु पर नहीं पहुंच सकते। आप चिंतन कर सकते है कि किसी के भी साथ किस प्रकार निर्वाह करेंगे।

साथ-साथ घरेलू मामले में आपको अपनी भाषा पर अतिशय नियंत्रण रखना चाहिए ताकि गृहस्थ जीवन को अबाधगति से संचलन में कोई व्यवधान उपस्थित न हो। जब आप अपनी संतान के साथ वार्तालाप करें तो सावधानी पूर्वक आचरण करे। आपको अपनी धारणाओं के प्रति सदैव आश्वस्त रहना चाहिए। आप अपनी प्यारी पत्नी एवं अत्ति श्रद्धावान पुत्रों से युक्त अपना समधुर पारिवारिक जीवन बिताएंगे। आप इस प्रकरण को किस प्रकार अनुकूलता प्रदान करेंगे। यह आप की विचार शैली एवं कार्य शैली पर निर्भर करता है।

आप समृद्धिवान होकर स्वास्थ्य जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। आपकी अत्यधिक अभिरूचि खेलकूद का प्रदर्शन करने एवं वाह्य हाव भाव को दिखाने में रहती है। आप निर्भयता पूर्वक यात्रा करना पसंद करते हैं। इस प्रकार आप अपने समय को घर पर नहीं बिताते है। यह अच्छी बात हैं क्योंकि आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृति के दुष्प्रभाव से लोग बच जाएंगे और घर में किसी भी प्रकार का क्लेशादि नहीं होगा।

आप धार्मिक क्षेत्र में अग्रसर होकर ध्यान मग्न होने के संबंध में उच्च स्तरीय विचार रखते हैं। आप धर्म एवं भारतीय दर्शन के विकास हेतु व्यक्तिगत रूप से पूर्ण रूचिवान होना एक सुअवसर की प्राप्ति का सौभाग्य समझते हैं। आप तीर्थ स्थलों का परिदर्शन करेंगे एवं दान-धर्म में आर्थिक योगदान करेंगे।

आपके जीवन का उत्कृष्ट भाग यह है कि आप अत्युत्तम स्वास्थ्य का आनंद प्राप्त करेंगे। परंतु ऐसा संयोग उपस्थित हो सकता है कि जैसे अस्थमा, जोड़ों का दर्द एवं कोई अंग

प्रत्यंग टूटने जैसे रोगों से आप प्रभावित हो सकते हैं। आपके लिए सरल उपाय यह है कि आप इन रोगों के प्रति सतर्कता बरतें।

धनु राशीय प्रभावानुसार आपके लिए व्यावसायों में अनुकूल व्यवसाय राजनीति है। अन्य दूसरा सुंदर व्यवसाय जन सामान्य के मध्य सुवक्ता, भाषण देने वाला बनें। शिक्षण कार्य, अथवा बैंक की नौकरी भी अनुकूल है। अन्यथा आप धार्मिक कार्य, पराविद्या का ज्ञान, धार्मिक संस्थानों से संबंद्ध भी हो सकते हैं। प्रकाशन संबंधी कार्य भी आपको पारिश्रमिक दिला सकता है। इसके अतिरिक्त व्यवसायिक अन्य क्षेत्रों में विधि विधान, विदाई कार्य, अभियंत्रिकी, ठेकेदारी एवं वैदेशिक व्यवसायिक निर्धारण कार्य उत्तम हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक हैं। कृपया स्पष्टतः अंक 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंगों में प्रतिकूल रंग लाल, काला एवं सफेद रंग है। आप रंग नीला, हरा, मरकत रंग, नारंगी, सफेद एवं क्रीम रंग लाभदायक प्रमाणित होंगे।